



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133]

नई दिल्ली, भृत्यतिवार, जून 29, 1978/आषाढ़ 8, 1900

No. 133]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 29, 1978/ASADHA 8, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारी मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नियांत्रित व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 44-ईटी सी(पी एन)/78

नई दिल्ली, 29 जून, 1978

विषय : सीमित व्यापा भूगतान व्यवस्था के अंतर्गत यूगोस्लाविया को नियंत्रित से सम्बन्धित जानकारी/क्रियाविधि।

मिसिल सं. 5/9/76/इ० 1:—सार्वजनिक सूचना संख्या 18-ईटी सी(पी एन)/78 दिनांक 3 अप्रैल, 1978 से आगे यूगोस्लाविया की सरकार के साथ परामर्श करने पर यह निश्चय किया गया है कि निम्नलिखित उत्पादों के आगे के लिए नियंत्रित के लिए प्रत्येक के सामने संकेतिक सीमा तक सीमित व्यापा भूगतान व्यवस्था के अंतर्गत स्वीकृत के दो जाएः

(रुपए लाख में)

1. वाणिज्यिक आहन	60.00
2. हलेक्ट्रोनिक उपभोग्य वस्तु	40.00
3. हैप्पल्सु मसहित सूती वस्तु	40.00
4. रेयन/सिल्क/भाष्यक नियमित रेशे के वस्तु	4.20

2. सीमित भूगतान व्यवस्था के अंतर्गत यूगोस्लाविया को ऐसे नियंत्रित को नियंत्रित करने हेतु निम्नलिखित क्रियाविधि नियंत्रित की गई है:—

(1) ऐसे नियंत्रित जो व्यापा भूगतान व्यवस्था के अंतर्गत उपर्युक्त कठिका 1 में उल्लिखित माल का नियंत्रित करना चाहते हैं उन्हें यापने देके तत्काल तीन एजेंसियों पर्याप्त मद 1 और 2 के सम्बन्ध में हंजीनियरी नियंत्रित संवर्धन परिषद, कलकत्ता के साथ और मद 3 और 4 के सम्बन्ध में कमातः सूती वस्तु नियंत्रित संवर्धन

परिषद, अम्बर्ह और रेशम और रेयन नियंत्रित संवर्धन परिषद, अम्बर्ह के साथ पर्याप्त कराने होंगे।

3. केवल उन नियंत्रितों को आदेश करना चाहिए जिनके पास यूगोस्लाविया के उस आयातक के साथ की गई संविदा है जिनके पास जारी किया गया वैध लाइसेंस है। ऐसा करते समय नियंत्रितों को चाहिए कि वे सम्बद्ध प्रभिकरण को मविदा (ओ) की प्रति के अतिरिक्त निम्नलिखित जानकारी की दो प्रतियां भेजें।

(क) उस यूगोस्लाविया आयातक का नाम और पता जिसके पास यूगोस्लाविया प्रधिकारियों द्वारा जारी किया गुप्रा वैध प्राधिकार पत्र है।

(ख) संविदा (ओ) की संख्या, और विनाक

(ग) सुपुर्दंगी सारणी

(घ) उस भारतीय पत्तन का नाम जहां से नियंत्रित के लिए लदान किया जाना है।

(ज) उस में शामिल पृष्ठ वस्तु एवं उसका मूल्य।

(च) उस यूगोस्लाव पत्तन का नाम जिसके लिए नियंत्रित के लिए लदान बुक किया जाना है।

(2) सम्बद्ध प्रभिकरण पहले आए, सो पहले प्राधार पर संविदाएं पर्याप्त करेगी और नियंत्रितों एवं पत्तन लाइसेंस प्राधिकारी को (उन मध्यों के मामले में जो नियंत्रित नियंत्रण के अधीन है) और सीमा, शुल्क प्राधिकारियों को (उन

मर्दों के मामले में जो कि नियर्यात अधीन नहीं हैं और ने भी जो खुला सामान्य लाइसेंस संडेया 3 के अन्तर्गत शामिल की गई हैं) आवायक परामर्श जारी करेगी।

(3) नियर्यात नियर्यात प्रणिकारियों को योगोम्लाविया के लिए नियर्यात के लिए नियर्यात मर्दों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत आन वाली को लोडकर) लक्षण में लदान विलों को भेजेगा और जो केवल नियर्यात मर्दों के नियर्यात के लिए ही स्वीकृति देते और यह स्वीकृति लदान बिल (ओ) को पान करने की तारीख से हन मर्दों के लिए लागू नियर्यात नीति के अनुसार लदान विलों पर प्रभाव फरके दी जाएगी। उन मर्दों के सम्बन्ध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमा शुल्क प्राधिकारों द्वारा सामान्य विधि से उद्दी जाएगी जो नियर्यात नियर्यात के अधीन नहीं हैं और जो खुला सामान्य लाइसेंस यस्ता 3 के अन्तर्गत आती है।

(4) लदान, मल्य, संकेति भेज्या एवं नियर्यात के नाम के व्यारे सम्बद्ध प्रभिकरण द्वारा पक पत्रबारे में अस्ति प्रस्तेक मास की 15 तारीख और प्रयोक मास के आस्तीर्ण दिन तक वाणिज्य मंत्रालय (सी आई शिवायग्रामनियम, अथवा मन्त्रित्र) नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

3 नियर्यातिकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे हमें नोट करें कि इस अवसरा के अन्तर्गत योगोम्लाविया के लिए लक्षण में नियर्यात के लिए सभी संविदाओं के लिए सम्बद्ध प्रभिकरण का पूर्ण अनुसंदान प्राप्त होना चाहिए और यह उनकी संविदाओं के पर्याकारण द्वारा होगा।

4 नियर्यातिकों को और आरं ललाह दी जानी है कि भारत में जैसे ही लदान पभावी हो जाता है तो उसके बारे में सम्बद्ध प्रभिकरण को सूचना दें।

5 विभिन्न ग्रंथों के लिए उच्चतम सीमा की नियर्यात उपयुक्त संकेति सम्बद्ध प्रभिकरण द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूर्ण हो जाती है तो संविदाओं का पर्याकारण बदल कर देंगे।

कांगो शेषादि, गवर्नर नियर्यात आयात-नियर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Department of Commerce)

EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 44-ETC(PN)/78

New Delhi, the 29th June, 1978

Sub : Information/Procedure regarding exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangements.

**File No. 5/9/76-EL**—Further to Public Notice No. 18-ETC(PN)/78 dated the 3rd April, 1978, it has been decided in consultation with the Government of Yugoslavia that further exports of the following products, to the extent indicated against each, be allowed under Rupee Payment Arrangements :

(Rupees in Lakh<sup>4</sup>)

1. Commercial Vehicles	60.00
2. Electronic Consumer items	40.00
3. Textiles of cotton including handloom	40.00
4. Rayon/Silk/Man made fibre textiles	4.20

2. In order to regulate such exports to Yugoslavia under the Limited Payment Arrangements, the following procedure has been prescribed :—

(i) Such exporters who wish to export the goods mentioned in para 1 above, under the Rupee Payment Arrangement, are required to have their contracts registered with immediate effect with any of the three agencies, namely, the Engineering Export Promotion Council, Calcutta in respect of items 1 & 2; Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay, respectively, in respect of items 3 and 4.

3. Only such exporters need to apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by Yugoslav authorities. While doing so, the exporters are required to furnish to the agency concerned, in duplicate, the following information in addition to the copy of the contract(s) :—

(a) Name and address of the Yugoslav importer, having valid letter of authorisation issued by Yugoslav authorities.

(b) Contract(s) number and date

(c) Delivery schedule

(d) Indian port from which the shipment is to be effected for export

(e) Commodity and value thereof involved

(f) Name of the Yugoslav port to which the shipment is to be booked for exports.

(ii) The agency concerned will register the contracts on first-come, first-served basis and issue necessary advice to the exporters and the port licensing authority (in case of items which are under Export Control) and to the Customs authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under O.G.L.3.)

(iii) The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under O.G.L.3) for export to Yugoslavia in Rupees to the Export Control authorities, who shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with export policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are under O.G.L.3 shall be allowed direct by the Customs authorities in the normal manner.

(iv) The particulars of shipment, value, contract number, name of the exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e., by the 15th and the last day of each month to the Ministry of Commerce (Shri C. I. Sivasubramanian, Under Secretary) New Delhi, by name.

3. Exporters are advised to note that all contracts for export in Rupees to Yugoslavia under this arrangement must have the prior approval of the concerned agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned agency as soon as shipments from India have taken place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned agencies, indicated above and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are exhausted.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports